हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 30 .0 डिग्री
न्यूनतम 16 .2 डिग्री

12 आज से शुरू हो सकती है सरकारी खरीद नकली सरसों पर रहेगी अफसरों की नजर

12 एक महीने से नहर नहीं आने से वाटर टैंकों की दिखने लगी जमीन ...

शहर में चल रहा अवैध होर्डिंग्स का खेल, कमीशन खोरी के चक्कर में सरकार को राजस्व को चूना

अवैध होर्डिंग ने बिगाड़ी शहर की सूरत, कार्रवाई के नाम पर छोटे होर्डिंग हटाकर की जा रही खानापूर्ति

■ बिजली के पोल व चौराहों की बाउंड्री में होर्डिंग व बैनर लगाकर शहर का सौंदर्यकरण बिगाड़ा जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर में लंबे से समय से अवैध होर्डिंग्स लगाने खेल चल रहा है। नगर परिषद की मिलीभगत से चल रहे इस अवैध खेल से सरकार को राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। शहर अवैध होर्डिंग्स से अटा हुआ है। होर्डिंग्स माफिया बगैर किसी डर के बेखोफ होकर चारों ओर शहर को बदरंग कर अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं। शहर के नाईवाली चौक, बीएमजी मॉल के सामने, लियो चौक, धारुहेड़ा चुंगी, ब्रह्मागढ़ के सामने, महाराणा प्रताप चौक, अभय सिंह चौक व झज्जर चौक सहित शहर में काफी जगह अवैध होर्डिंग्स की भरमार है। शहर के सौन्दर्यकरण के लिए लगाई गई तिरंगा लाइटों पर भी होर्डिंग लगे हुए है। बिजली के पोल व चौराहों की बाउंड्री में होर्डिंग व बैनर लगाकर शहर का सौंदर्यकरण बिगाड़ा जा रहा है। होर्डिंग्स माफियाओं के सामने सिस्टम भी बेबस नजर आ रहा है। एक अनुमान के अनुसार शहर में 300 से अधिक अवैध होर्डिंग्स की साइट हैं, सूत्रों के अनुसार एक साइट से हजारों रुपये प्रतिमाह वसूले जाते हैं। स्कूल एडमिशन के समय ये राशि और ज्यादा बढ़ जाती है।

इन साइटों पर होर्डिंग लगाने के नाम पर कमीशन का खेल चलता है, जिससे सरकार को लाखों के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। शहर के अंदर व बाहरी मार्गो पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स देखे जा सकते है। दिल्ली रोड, गढ़ी बोलनी रोड, झज्जर रोड, नारनौल व महेंद्रगढ़ रोड पर भी अवैध होर्डिंग लगे है।

रेवाड़ी। नाईवाली चौक पर भवनों पर लगे अवैध होर्डिंग, सरकुलर रोड पर दुकानों पर लगे होर्डिंग, सरकुलर रोड पर एक भवन पर लगा होर्डिंग। फोटो :हरिभूमि

अपनी मर्जी से लगा रहे होर्डिंग

शहर में सभी जगह छोटे से लेकर बड़े-बड़े हार्डिंग लगे हुए हैं। नगर परिषद अधिकारी व कर्मचारी इनको नजर अंदाज कर रहे है। अवैध होर्डिंग के नाम पर इस कमाई के खेल में सेक्टर, मॉडल टाउन, नाईवाली चौक, गोपाल देव चौक, दिल्ली रोड, बाइपास, अग्रसेन चौक, झज्जर चौक व बस स्टैंड सहित काफी स्थानों की सुंदरता खराब हो रही है। लोग अपनी मनमर्जी की जगह होर्डिंग लगा रहे है। नगर परिषद की ओर से शहर में अवैध रूप से होर्डिंग लगाने वाले के खिलाफ कार्रवाई तक नहीं की जा रही है।

सिर्फ बिजली के पोल व सड़क से हटते होर्डिंग

शहर के सरकुलर रोड सहित अन्य मार्गों पर दुकानदारों ने फुटपाथों पर सामान रखने के साथ स्टेंड लगाकर होर्डिंग रखे हुए है। शहर में कोचिंग, होटल, दुकानों, रेस्टोरेंट व अन्य दुकानों के बाहर भी अवैध होर्डिंग लगे हुए हैं। बिजली के पोल व अन्य जगहों पर अवैध होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। नगर परिषद की ओर से अभियान चलाकर सिर्फ सड़क से व बिजली के पोल पर लगे छोटे होर्डिंग ही हटाए जाते है, जबकि मेन जगहों पर अवैध रूप से लगे बड़े होर्डिंग्स पर कोई कार्रवाई तक नहीं की जाती है। हाल ही में नप की ओर से दो दिन छोटे होर्डिंग्स हटाकर खानापूर्ति कर दी।

सिपाही सुनील कुमार ने बेंगलुरू में मास्टर्स नेशनल गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

■ सुनील कुमार फोर्थ आईआरबी हरियाणा पुलिस मानेसर में तैनात है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी की मधु विहार कॉलोनी निवासी सिपाही सुनील कुमार ने बेंकेगलुरू में आयोजित 45वे ऑल इंडिया मास्टर्स नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल जीत कर जिले का नाम रोशन किया गया। सिपाही सुनील कुमार ने 3000 मीटर स्टीपलचेज रनिंग में सिल्वर मेडल जीता है। सुनील कुमार फोर्थ आईआरबी हरियाणा पुलिस मानेसर में तैनात है।

सिल्वर मेडल जीतकर मानेसर पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग ने सुनील कुमार को सम्मानित किया। इससे पहले भी सिपाही सुनील ने ऑल इंडिया मास्टर्स नेशनल गेम्स में अच्छा प्रदर्शन किया है तथा हरियाणा पुलिस रेंज गेम्म में मेडल जीत चुका है। सिपाही सुनील ने आगामी दिनों में होने वाली इंडोंनेशिया चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। एसपी ने कहा कि सिपाही सुनील ने नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल जीतकर हरियाणा पुलिस का नाम गौरवान्वित किया है।

रेवाड़ी। सिपाही सुनील कुमार का सम्मान करती एसपी। फोटो :हरिभूमि

बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

रेवाड़ी। विजय नगर में शनिवार की रात चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गए। मॉडल टाउन थान पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में राजस्थान के सिरयाणी निवासी राकेश यादव ने बताया कि वह विजय नगर में किराए के मकान में रह रहा है। गत 13 मार्च को होली पर्व पर वह परिवार के साथ मकान बंद करके अपने गांव चला गया था। रविवार को उसके पड़ोस में रहने वाले लोगों ने फोन पर सूचना दी कि उसके घर में चोरी हो गई है। वह घर आया तो मकान के ताले टूटे हुए मिले। घर का सामान बिखरा हुआ था। चोर मकान की अलमारी से सोने के टॉप्स, कुडल, चांदी के कई जेवर, स्मार्ट वाच व 5 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

टैंकर से तेल चोरी करते चालक सहित दो काबू, एक पिकअप गाड़ी भी पकड़ी

■ पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी व तेल से आधे भरे हुए दो ड्रम व कई खाली ड्रम बरामद किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सदर थाना पुलिस ने गंगायचा टोल प्लाजा के पास टैंकर से तेल चोरी करने के आरोप में चालक को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी व तेल से आधे भरे हुए दो ड्रम व कई खाली ड्रम बरामद किए गए हैं। इनमें 2200 लीटर इथेनॉल व चोरी किया गया 80 लीटर पेट्रोल बरामद किया गया है। खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी व ईसी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि टोल प्लाजा के पास एक टैंकर से तेल निकालकर उसे पिकअप गाड़ी में रखे ड्रमों में डाला जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो टैंकर के दो चैंबर खुले हुए थे। उनमें से पाइप डालकर तेल निकाला जा रहा था। वहां मौजूद टैंकर चालक पंजाब के लाड बंजारा निवासी मंदीप व भवाड़ी निवासी विनय को पुलिस ने काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज भवाड़ी से यह टैंकर रिलायंस इंडस्ट्रीज खेटला, जिला संगरूर, पंजाब के लिए चला था। पुलिस ने खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी सतप्रकाश को सूचना देकर मौके पर बुलाया। तेल व इथेनॉल के सैंपल लिए गए। टैंकर व पिकअप सहित सारा सामान पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

इनमें 11 ड्रम, एक छोटा जनरेटर, बाल्टियां, लोहे व प्लास्टिक की पाइप व अन्य सामान शामिल है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों सहित पुलिस ने उनके साथियों के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले के अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में तेल चोरी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

दुकान पर काम करने वाले युवक के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कसोला चौक के निकट एक कमानी की दुकान पर काम करने वाले युवक के साथ चार युवकों ने जमकर मारपीट की। उसके बेहोश होने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

राजस्थान के मुबारिकपुर निवासी सुखवंत ने को दर्ज शिकायत में बताया कि वह कसोला चौक के पास बाबूलाल की दुकान पर काम करता है। 12 मार्च को वह दुकान बंद करने के बाद सोने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान बरवाड़ा निवासी गोलू, योगेश व दो अन्य युवक वहां आ गए। उन्होंने उसे शराब लाने के लिए अपनी बाइक देने को कहा। उसने बाइक देने से मना कर दिया। सुखवंत ने आरोप लगाया कि बाइक देने से मना करने पर चारों उसे गैराज के पीछे उठाकर ले गए। वहां उसे लोहे की रॉड से पीटना शुरू कर दिया। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद चारों वहां से फरार हो गए।

जब उसे होश आया तो वह वहां से भागकर अपने घर पहुंचा। इसके बाद पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

सरकारी स्कूल में दाखिले बढ़ाने के लिए शिक्षकों ने चलाया अभियान

■ बच्चों का दाखिला गांव के मॉडल संस्कृति विद्यालय में कराने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर के अध्यापकों ने प्राचार्य मनोज कुमार के मार्गदर्शन में अभिभावकों को जागरूक कर अपने बच्चों का दाखिला गांव के मॉडल संस्कृति विद्यालय में कराने की अपील की। विज्ञान अध्यापिका हरिता शर्मा के नेतृत्व में हिंदी अध्यापिका मंजूलता, गणित अध्यापिका पूनम देवी व संस्कृत अध्यापिका प्रिया देवी की टीम ने अभिभावकों को मॉडल संस्कृति विद्यालय में सरकार की ओर से मिलने वाली निःशुल्क सुविधाओं जैसे मध्यान्ह भोजन, स्कूल यूनिफॉर्म, पुस्तकें व छात्रवृति के बारे में अवगत कराया तथा बच्चों का दाखिला गांव के मॉडल संस्कृति विद्यालय में कराने के लिए प्रेरित किया।

रेवाड़ी। अभिभावकों को जागरूक करते हुए शिक्षिकाएं। फोटो :हरिभूमि

घर में घुसकर परिवार के सदस्यों से मारपीट

■ पुलिस मामले की जांच व आरोपियों की तलाश कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रतनथल में घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रोहड़ाई थाना पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच व आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस बयान में अनिल ने बताया कि उसके बेटे दीपांशु के साथ पड़ोस में रहने वाली सुमित्रा व उसके परिवार के सदस्यों के साथ झगड़ा हो गया था। उसके बेटे को नाक पर चोट आई थी। जब वह अपने परिजनों के साथ सुमित्रा के घर गया तो वहां उसके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह घर लौट आया। उसने आरोप लगाया कि रात के समय शिम्भू व सुमित्रा अपने रिश्तेदारों के साथ उसके घर पहुंच गए। उन्होंने घर का गेट तोड़ने का प्रयास किया। गेट नहीं टूटा तो उनमें से आधा दर्जन से अधिक लोग गेट के ऊपर से उसके मकान में कूद गए। वह अपने परिजनों के साथ कमरे में बंद हो गया। इसके बाद इन लोगों ने धक्का देकर कमरे की कुंडी तोड़कर उसके व उसके परिजनों के साथ जमकर मारपीट की। शोर मचान पर आरोपी दीवार कूदकर भाग गए।

इस सप्ताह मौसम साफ रहने की संभावना, आज से और चढ़ सकता है पारा

आसमान साफ होने से राहत, तापमान में वृद्धि होना शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बीते सप्ताह मौसम ने किसानों को जमकर परेशान किया। कई इलाकों में हल्की बरसात और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान भी पहुंचाया है। इसके बावजूद जिन इलाकों में ओलावृष्टि नहीं हुई, वहां अभी भी अच्छे फसल उत्पादन की उत्पादन की उम्मीद है। मौसम साफ हो गया है। लगभग एक सप्ताह तक बरसात की संभावना नहीं है। तापमान में एक बार फिर से वृद्धि होना शुरू हो गया है। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। तेज धूप निकलने के कारण दोपहर तक मौसम गर्म हो गया। अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री की मामूली वृद्धि के साथ 30.0 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री बढ़कर 16.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। बीते सप्ताह बरसात और ओलावृष्टि ने मौसम ठंडा बना दिया था। इससे पूर्व बीते मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से गर्मी की दस्तक का अहसास होना शुरू हो गया था। बरसात के बाद मौसम ठंडा होने के बाद अब एक बार फिर गर्मी का असर शुरू हो गया है। पंखे चलने शुरू हो गए हैं। अब कूलर और एसी चलने का समय भी जल्द आ रहा है। गर्म कपड़ों की विदाई भी हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह बरसात की कोई संभावना नहीं है। सप्ताह के मध्य आंशिक बादल जरूर छा सकते हैं। तापमान में सप्ताह के शुरू से ही वृद्धि होना शुरू हो जाएगा। हवाओं की रफ्तार तेज रह सकती है। माह के अंत तक गर्मी पसीने छुड़ाना शुरू कर देगी।

रेवाड़ी। एक खेत में तैयार गेहूं की फसल। फोटो :हरिभूमि

तेजी से चल रहा सरसों कटाई का कार्य

मौसम में बदलाव के बाद किसानों ने सरसों की कटाई का कार्य तेजी से शुरू किया हुआ है। सरसों की पछेती फसल भी पककर तैयार हो चुकी है, जिस कारण किसानों को श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। बीते सप्ताह हुई ओलावृष्टि से जिले के 40 से 50 गांवों में फसलों को नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जिन इलाकों में ओलावृष्टि नहीं हुई, वहां अभी भी अच्छा फसल उत्पादन होने की उम्मीद है। किसान जल्द से जल्द सरसों काटकर निकालने के प्रयास में लगे हुए हैं। दूसरी ओर हल्की बरसात और मौसम में बदलाव से गेहूं की फसल को भी काफी फायदा मिला है। इससे गेहूं का पकाव अच्छा होने की संभावना बन गई है।

फैक्ट्री कर्मचारी गेट तोड़कर बोलेरो कैंपर लेकर फरार

रेवाड़ी। नारनौल रोड पर कुतुबपुर के निकट एक कढ़ाई बनाने वाली फैक्ट्री का गेट तोड़कर कर्मचारी एक बोलेरो कैंपर गाड़ी चोरी कर ले गया। रामपुरा पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद आरोपी व गाड़ी की तलाश शुरू कर दी। जसवंत नगर निवासी संजय ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसकी नारनौल रोड पर कढ़ाई बनाने की फैक्ट्री है। उसने अपनी फैक्ट्री में यूपी के अनिरुद्धपुर निवासी मनोज को वेल्डर का कार्य करने के लिए चार दिन पहले ही लगाया था। धुलेंडी पर्व पर होली मनाने के बाद वह फैक्ट्री का गेट बंद करके घर चला गया। सुबह जब फैक्ट्री में आया तो गेट टूटा हुआ था। अंदर खड़ी बोलेरो कैंपर गाड़ी गायब मिली। गाड़ी में चार कढ़ाई भी रखी हुई थी। रामपुरा थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

दीवार तोड़कर बकरियां ले गए चोर, केस दर्ज

रेवाड़ी। साल्हावास गांव में चोर एक बकरी पालक के बाड़े की दीवार तोड़कर बकरियां चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में संतराम ने बताया कि उसने टीनशेड में बकरियां बांधने का बाड़ा बनाया हुआ है। रात को वह टीनशेड के गेट को ताला लगाने के बाद घर चला गया था। सुबह के समय वह टीनशेड में गया तो टीनशेड के पीछे की दीवार टूटी हुई थी। चोर उसकी बकरियों में 14 बकरी व 8 बकरी के बच्चे चोरी कर ले गए। पूछताछ करने के बाद भी चोरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कार की टक्कर लगने से युवक घायल

नांगल मूंदी। कुमरोधा के निकट सड़क पर पैदल चल रहा एक युवक कार की टक्कर लगने से घायल हो गया। चौकी नं. 2 निवासी जतिन अपने दोस्तों से मिलने के लिए कुमरोधा की ओर पैदल जा रहा था। नांगलमूंदी रोड पर एक कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। सड़क पर गिरते ही वह बेहोश हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

रेवाड़ी। ट्रॉमा सेंटर के पास बाइक की टक्कर से एक स्कूटी सवार घायल हो गया। इंद्रा कॉलोनी निवासी वासुदेव अपनी स्कूटी से ससुराल गया था। वापस इंद्रा कॉलोनी जाते समय ट्रॉमा सेंटर के पास एक बाइक ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। बाइक चालक ने ही उसे उठाकर ट्रॉमा सेंटर दाखिल कराया। इसके बाद वह फरार हो गया। उसने बाइक के नंबर भी पुलिस को मुहैया कराए हैं। सिटी पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

ठेके के कुक से मारपीट का केस दर्ज

कोसली। पुलिस ने शराब ठेके के कुक के साथ मारपीट करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में कुक नेपाल निवासी दिनेश बहादुर ने बताया कि वह एक शराब ठेकेदार के पास कुक का कार्य करता है। वह नठेड़ा ठेके पर खाना देने के लिए चालक राजकुमार के साथ गया था। वहां स्कूटी पर आए संदीप व विक्की ने स्कूटी आगे लगाकर गाड़ी रुकवा ली। उसके साथ जमकर मारपीट की।

मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर चोरी

रेवाड़ी। सेक्टर-1 के श्री श्याम मंदिर में चोर ताले व गेट तोड़कर दानपात्र से नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में श्री श्याम दिवाना मंडल टस्ट के सदस्य नवनीत सोनी ने बताया कि मंदिर के पुजारी ने फोन पर बताया कि मंदिर का गेट टूटा हुआ है। ताले भी तोड़े हुए हैं और दानपात्र उखड़े हुए हैं। उसने वहां जाकर देखा तो दानपात्र उखाड़कर एक दानपात्र से करीब 20 हजार रुपये चोरी किए हुए मिले। दूसरे दानपात्र का ताला नहीं खुला।

ओला बाइक चालक युवक हुआ लापता

रेवाड़ी। गुरूग्राम में ओला कंपनी की बाइक चलाने वाला एक युवक कई दिनों से लापता है। उसके पिता नांगलिया रणमोख निवासी सुरेंद्र ने बताया कि उसका 25 साल का लड़का देवेंद्र 18 फरवरी को गुरूग्राम गया था। वह ओला कंपनी की बाइक चलाता है। घर वापस नहीं आने पर उससे संपर्क करने का प्रयास किया, परंतु उसके फोन बंद आ रहे हैं।

बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ है? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है / उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता।

- श्रीनिवास रामानुजन

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी।

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

अहंकार

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही।

दिव्या ने ससुराल का घर छोड़ा और किराए पर टू-रूम सैट लेकर रहने लगी। दोनों बच्चे और पति मजबूर हुए और उसके साथ रहने को चले आए। पति का नाम शैलेंद्र था। उसने सोचा-'दिव्या की जिद अलग रहने की है तो यही ठीक, घर का क्लेश तो मिटेगा?' उसे पत्नी के साथ रहना पड़ा। दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ने लगे। फीस का जिम्मा शैलेंद्र पर था।

दिन बीतने लगे लेकिन दिव्या का अहंकार खत्म नहीं हुआ। शैलेंद्र अपने माता-पिता से मिलने चला जाए तो क्लेश, बच्चों को दादा-दादी के पास ले जाए तो कलह। उसने दिव्या को बहुत समझाया लेकिन वह नहीं बदली।

शैलेंद्र दो बहनों का इकलौता भाई था। दोनों बहनें शादीशुदा थीं और अपनी ससुराल में उन्हें कोई कष्ट भी नहीं था। लेकिन बूढ़े और परेशान माँ-बाप की फिक्र में घुली जा रही थी। भाई-भाभी को समझाने के अनेक प्रयास हुए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक रोज, शैलेंद्र माता-पिता से मिलने गया तो रात पत्नी के पास वापस नहीं पहुँचा। अगले दिन, सुकून की तलाश में वह कहीं और चला गया। पत्नी की तरफ से उसका मन खिन्न हो चुका था। पति घर नहीं लौटा तो दिव्या को चिंता हुई। पन्द्रह-बीस दिन बीत गए शैलेंद्र नहीं आया।

बच्चों के स्कूल से क्लास टीचर ने फीस का पुर्जा बनाकर बड़े लड़के की कॉपी में रख दिया। दिव्या ने पुर्जा देखा तो पैसों की चिंता हुई। पति को फोन मिलाया, फोन स्विच ऑफ था। ऐसे कई दिनों तक वह फोन मिलाती रही लेकिन पति से कोई बात नहीं हुई। शैलेंद्र ने फोन उठाया ही नहीं। थक-हारकर दिव्या ने सास को फोन मिला दिया। सास ने 'हैलो' कहा तो दिव्या के चुभन से भरे तीखे बोल सुनाई पड़े- 'कहां है वह, पन्द्रह-बीस दिन से कुछ अता-पता नहीं है। बच्चों की फीस और मकान का रैंट देना है, क्या करूँ?'

सास बोली- 'घर आकर पैसे ले जा, उसका तो हमें भी पता नहीं। तुम लोग जब से घर छोड़कर गए हो, हमें किसी की कुछ खबर नहीं है। नहीं जानते कि तुम कैसे हो और कहाँ रह रहे हो? यही तो कलह है कि तुम आपसी तकरार खत्म करना क्यों नहीं चाहते? तुम उसकी गलती निकालती हो और वह तुम्हारी! सामान बाँधों और बच्चों को लेकर घर लौट आओ। उसका जब मन चाहेगा तो लौटकर आ जाएगा।'

'नहीं, एक बार जिस घर को छोड़कर चली आई, अब वहाँ मुझे नहीं आना।' दिव्या का अहम जाग उठा था। सास समझाने लगी- 'पति से बनाकर रखने में ही भलाई है। तुम्हें सास-ससुर में कमी दिखती है तो पति के अनुसार ही ढल जाओ! उसकी हो-कर ही रहने लगो? घर से दूसरे नगर इसीलिए गए थे कि चैन से रहोगे। अब पति से भी नहीं बन रही तो हमारा इसमें कहाँ दोष है।'

'दोष तो तुम सबों में है। मेरे कहे अनुसार चलोगे तो ठीक, नहीं तो तुम्हें भी चैन से रहने नहीं दूँगी। मैं नहीं चाहती कि तुम्हारे बेटे के साथ रहूँ लेकिन मेरी मजबूरी है। बच्चों को लेकर जाऊँ कहाँ, और बच्चों को मुझसे छीनने की सोचना भी मत। चाहे कैसे भी, मुझमें हिम्मत है। उन्हें किसी तरह पाल ही लूँगी। जिन के पिता मर जाते हैं, बच्चे तो उनके भी पलते हैं।'

'बड़ों से बात करने का सलीका समझ लो, ओछी सोच घर बिगाड़ देती है। मानती हूँ, मेरा जाया भी बददिमाग है। उसे भी आगे के बारे में कुछ नहीं सूझ रहा लेकिन कम तुम भी नहीं हो ! तुम पर जब क्रोध हावी होता है, तुम चुडैल दिखाई देती हो। और गालियाँ बकती हो तो असहनीय हो जाता है। अभी वक्त है, सुधर जाओ। अपना घर खराब मत करो। अहंकार का त्याग कर डालो और गृहस्थ बनकर जीना सीख लो?'

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी। ऐसा पति जो मेरी ना सुने, मुझे नहीं चाहिए।'

शैलेंद्र सरकारी स्कूल में टीचर थे। कुछ दिन बीते कि एक रोज दिव्या शैलेंद्र के स्कूल पहुँच गई। इत्तफाक कि उस दिन शैलेंद्र स्कूल नहीं आया था। उसकी जुबान खुल गई। प्रिंसिपल, स्टाफ के टीचर्स और एक-आध बाहरी लोगों के सामने वह खूब दहाड़ी। झूठे-सच्चे आरोप लगाकर उसने पति की इज्जत को तार-तार कर दिया। लोग हैरान थे, उन्होंने तो सोचा भी नहीं था कि शैलेंद्र की पत्नी इतनी झगड़ालू और बदतमीज है। हालात में बजाए सुधार होने के और खराबी आ गई।

प्रिंसिपल से दिव्या ने कहा- 'शैलेंद्र की तनख्वाह मेरे बच्चों के स्कूली बैंक खातों में ट्राँसफर कर दिया करें।'

प्रिंसिपल बोले- 'यह मेरे बस में नहीं, तनख्वाह तो शैलेंद्र के बैंक खाते में ही जाएगी।' दिव्या दहाड़ी- 'लफंगा है वह। पूरे महीने की तनख्वाह को आवारागर्दी में खर्च कर डालता है।' शैलेंद्र की पत्नी के मुख से यह सब कहने का किसी को यकीन नहीं हुआ। फिर बोलने के लहजे पर आश्चर्यचकित भी सभी थे। प्रिंसिपल ने दो टूक कह दिया- 'आप कुछ भी कहें, शैलेंद्र की तनख्वाह तुम्हें नहीं दी जा सकती। तुम्हारा आपसी मनमुटाव क्या है, हमें उससे कोई मतलब नहीं।'

'कोर्ट अगर कहे, तब भी नहीं?' दिव्या बोली। 'कोर्ट का निर्देश तो मान्य होगा। वहाँ से अगर आदेश हुआ, तो देखेंगे। आगे क्या होना है, क्या नहीं, यह तो समय ही तय करेगा?' प्रिंसिपल ने स्पष्ट कर दिया। उसका अहंकार बाहर आया- 'मेरे पिता पुलिस में अफसर हैं। झूठे-सच्चे दोष मढ़कर मैं उसके पूरे परिवार को कुटवा दूँगी। तब तो, तनख्वाह मेरे बच्चों के खाते में आएगी न?'

'नहीं, पुलिस के कहने से नहीं। कोर्ट अगर आदेश करे तो मुमकिन है। पुलिस के लिखे को हम नहीं मानेंगे। आपको इसके बारे में ज्ञान नहीं है। यह सरकारी महकमा है, यहाँ सब काम नियम के हिसाब से होते हैं।' प्रिंसिपल बोले।

'मैं पहले पुलिस में रिपोर्ट करती हूँ, फिर देखा जाएगा कि आप क्या मानेंगे और क्या नहीं। अब मुझे उसके साथ नहीं रहना है। हाँ, बच्चे पैदा किए हैं, मुझसे शादी की है, तो उसे खर्चा तो देना ही पड़ेगा?'

एक बुजुर्ग टीचर कहने लगे- 'शैलेंद्र से नहीं बनती तो अलग हो जाओ, तलाक ले लो। बच्चों को खुद पाल सकते हो तो ठीक, नहीं तो कस्टडी पिता पर छोड़ो।'

'ज्ञान मत बाँटो, मुझे जो करना है, वही मैं करूँगी। और शैलेंद्र आए तो उसे कह भी देना- 'आखिरी छोर तक पीछा नहीं छोड़ने वाली। तेरे माँ-बाप, तेरी बहनें और रिश्तेदारों तक को फँसाकर रहूँगी।' और दहाड़ती हुई वह चली गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही। झगड़े हुए, फसाद बढ़े, कोर्ट-कचहरी भी हुआ लेकिन फैसला सहज नहीं हो सका, पूरे दस साल बीत गए।

एक दिन, गर्मी की दोपहर थी। मोटर-साइकिल पर शैलेंद्र स्कूल से घर लौट रहा था। मंथन में विगत प्रभावी था। अकस्मात हृदय की गति बढ़ी और मोटर-साइकिल समेत वह खाई में जा गिरा। सांसों की ड़ोर छूट गई। अंत समय, ना माँ-बाप पास में थे, ना बहनें, ना पत्नी, ना हीं बच्चे और ना कोई नाते-रिश्तेदार! जिस गाँव में रहते थे। वहीं पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दिव्या को पता चला तो एक बारगी वह काँप गई। लेकिन अहम पुनः आड़े आन खड़ा हुआ। फिर जाने अचानक क्या हुआ कि वह हँसती चली गई। उसे खुद का होश नहीं रहा। दिन बीते तो दिव्या भूल गई कि कहाँ उसका घर है, कहाँ बसेरा है। कुछ समय तक तो बच्चे उसे ढूँढकर घर लाते रहे लेकिन बाद के दिनों में, उन्होंने भी उसे उसी के हाल पर छोड़ दिया।

दिव्या जब अट्हास करती है, दिशाएँ गूँजने लगती हैं लेकिन अब, कोई सुनने वाला पास में नहीं है। ना उसके पिता को कुछ फर्क पड़ा और ना ही माँ को। कभी वह रो देती है और कभी सिसकती है।

उस सिसकन में, उसका विगत उसे मुँह चिढ़ाता है। राह चलते लोग उसकी तरफ से मुँह फेर लेते हैं।

कविता | नरेश शांडिल्य

चांद पर तितली

कैसी प्यारी लग रही है चाँद पर तितली
इक परी-सी लग रही है चाँद पर तितली

आसमानी-सी ग़ज़ल में चाँद ऊला-सा
उसका सानी लग रही है चाँद पर तितली

चाँद के सँग चाँदनी के शुभ-शगुन जैसी
'फेंगशुई'-सी लग रही है चाँद पर तितली

तीरगी का गहरा सागर, चाँद कश्ती-सा
उसका माँझी लग रही है चाँद पर तितली

देखकर अनगिन सितारे अपने चारों ओर
खोई-खोई लग रही है चाँद पर तितली

कविता | वीरेंद्र मधुर

ये भारत की शान है प्यारे

ये भारत की शान है प्यारे इसके रंग सुहाने,
सत्य सनातन की गाथा को विश्व लगा दोहराने।

ये भगीरथ के जप तप का पावन गंगा तट है,
ये अमृत की बूंदों वाली महादेव की लट है।
भक्ति में शक्ति पाने को गंगा चलो नहाने।

वर्षों की घनघोर प्रतिक्षा संतों ने की चिंता,
धर्म बचाने की कोशिश में पाई भिक्षा दीक्षा।
भारत की स्वर्णिम राहों पर गाओ नए तराने।

दिव्य देव दर्शन में उमड़े सत्य सनातन लोग,
मधुर मौसमी चली हवाएं बना ग्रह संयोग।
राम कृष्ण की धरती पर नए बसंत को जाने।।

कविता | प्रो. प्रविंद्र बांगड़

कोई अनबन नहीं है

कोई अनबन नहीं है हम में, बस अब मन नहीं है।

न कोई शिकवा, न कोई गिला, बस मन का हाल बदला मिला।
न दूरियाँ बढ़ीं, न नजदीकियाँ हुई कम, बस एहसास हो गए हैं कुछ मद्धम।

एक दिल था जो हँसता बहुत था, वो भी अब कहीं खो गया।
जो प्यार था कभी हमारा, वो भी अब हमसे कहीं खो गया।

तुमसे कोई शिकायत नहीं, न ही कोई अधूरी चाहत रही।
मैं खुद को ही समझ रहा हूँ, ख़ामोशी से कुछ ढूंढ रहा हूँ।

रिश्तों को अब जबरन थामना नहीं,जो बह जाए, उसे रोकना नहीं।
भावनाएँ वैसी ही हैं बदलती नहीं, पर राहें भी तो पहले जैसी नहीं।

अब न कोई उलझन, न कोई भार, अब बस मन उलझा और लाचार।
जो बीत गया, वो सपना सही, अब खुद को पाने की यात्रा सही।

बस अब खुद को पहचानना है , अब खुद से सब सुलझाना है।

लघु कथा | कुसुम

एक अनमोल रिश्ता

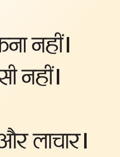

छोटे से गाँव की एक लड़की थी, जिसे शिक्षक शब्द से बेहद लगाव था। उसे पढ़ाई का शौक था, मगर संसाधनों की कमी और हालातों के चलते मुश्किल से बी.ए. में दाखिला मिल पाया। पहले साल तो वह कॉलेज जाती रही, मगर फिर कोरोना महामारी ने सब कुछ ठहर सा दिया। महीनों तक ऑनलाइन क्लास चलीं, लेकिन जब हालात सामान्य हुए, तो कॉलेज फिर से खुल गए। कॉलेज का पहला ही दिन था जब उसे पता चला कि इंग्लिश की एक नई मैम ने जॉइन किया है। पहले पीरियड में वही क्लास लेने आईं। गाँव से आई लड़की की अंग्रेज़ी थोड़ी कमजोर थी, मगर समझने की कोशिश करती थी। पहली ही क्लास में जब मैम ने धाराप्रवाह अंग्रेज़ी में पढ़ाना शुरू किया, तो उसे लगा कि यह विषय उसके लिए कठिन होने वाला है। घबराहट में वह हेड टीचर के पास भी चली गई कि उसके लिए किसी और शिक्षक को लगा दिया जाए। मगर एक ही दिन में ऐसा संभव नहीं था, और क्लास जारी रही। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लड़की को इंग्लिश मैम की क्लास में मज़ा आने लगा। उनके पढ़ाने का तरीका अलग था-सरल, रोचक और प्रेरणादायक। धीरे-धीरे लड़की को अहसास हुआ कि यह विषय मुश्किल नहीं, बल्कि बेहद सुंदर और समझने योग्य है। मैम सिर्फ़ एक शिक्षिका नहीं रहीं, बल्कि उसकी सबसे पसंदीदा टीचर बन गईं। अब वह बेसब्री से उनके पीरियड का इंतजार करने लगी।

ऐसा लगता मानो समय ठहर जाए और वह बस सुनती ही रहे। समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता रहा, और देखते ही देखते बी.ए. का आखिरी सेमेस्टर भी आ गया। पूरे कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की तैयारियाँ चल रही थीं। मगर इस खुशी के माहौल में लड़की के दिल में अजीब सी उदासी थी। आख़िरी दिन जब मैम क्लास में आईं, तो पूरी कक्षा भावुक हो गई। किसी की आँखों में खुशी थी, तो किसी की आँखों में आँसू। मैम ने सबको ढेरों शुभकामनाएँ दीं। वह दिन बीत गया, मगर रिश्ते नहीं। लड़की और उसकी पसंदीदा टीचर के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता गया। अब हर सुबह एक मैसेज दोनों तरफ़ से आता-'गुड मॉर्निंग, मैम!' गुड मॉर्निंग बच्चें' यह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक थे, जो एक शिक्षक और शिष्य के बीच होता है। क्योंकि कुछ रिश्ते किताबों के पन्नों की तरह होते हैं, जो भले ही बंद हो जाएँ, मगर उनकी यादें हमेशा दिल में बसी रहती हैं...।

आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर डा. संतोष गर्ग का कहना है कि वर्तमान में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी है। हालांकि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। बदलते परिवेश में साहित्य के स्वरूप को भी बदलना जरूरी है। मसलन युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए लंबी रचनाओं के बजाए लघु और उनके अर्थ को समझाने वाली सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

समाज सेवा के भाव से साहित्य संवर्धन आवश्यक : संतोष गर्ग

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता के हित में साहित्य को अहम माना गया है। मूर्धन्य विद्वान भी साहित्य की समाज का दर्पण के रूप में व्याख्या करते रहे हैं। ऐसी ही एक प्रख्यात कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार और कहानीकार के रूप में डा. संतोष गर्ग ने अपनी लेखनी से हिंदी साहित्य को एक नया आयाम देकर साहित्य जगत में लोकप्रियता हासिल की है। उनकी साहित्यिक रचनाओं में नारी सशक्तिकरण, आध्यात्म, समाज सुधार और बाल साहित्य जैसे विषयों का समावेश शामिल है। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी और अंग्रेज़ी भाषाओं की ज्ञाता संतोष गर्ग ने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रीयता से समाज को एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

साहित्य और समाज में अपने ऐतिहासिक रूप से योगदान दे रही महिला साहित्यकार डा. संतोष गर्ग ने अपने साहित्यिक और सामाजिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मानना है कि साहित्य संवर्धन समाज सेवा के भाव से हो तो उसका संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के लिए ज्यादा महत्व है। डा. संतोष गर्ग जन्म 12 नवंबर 1960 को पंजाब के बुढ़लाड़ा के एक संयुक्त परिवार में रूलदू राम सिंगला और देवकी देवी के घर में हुआ। परिवार में किसी तरह का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। बकौल संतोष गर्ग उनकी शादी 17 साल की उम्र में 23 अप्रैल 1978 को हरियाणा के कलायत गांव में हो गई थी। शादी से पहले वह सिर्फ 11वीं कक्षा पास की थी और बाकी उच्च शिक्षा शादी के बाद ग्रहण की। शादी के बाद कलायत गांव से वह अपने पति के साथ हिसार आकर रहने लगी, जहां उनके पति की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रोफेसर के रूप में नई नई नौकरी लगी थी, वहीं से वे अब प्रोफेसर एंड हैड पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। वह साल 2012 से अपने बच्चों के साथ मोहाली में रह रही हैं। हरेक क्षेत्र की तरह साहित्यिक सफर में उतार चढ़ाव सभी के सामने आते हैं। उनके सामने भी बच्चों के भविष्य को लेकर चुनौतियां थी और परिवार की जिम्मेदारियां थी। इसके बावजूद साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेती रही। हिंदी व पंजाबी के अलावा हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी हैं। अपने साहित्यिक सफर में अब तक हिंदी भाषा में निरन्तर कवि गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों का आयोजन भी कराती आ रही हैं। वह अखिल भारतीय साहित्य परिषद में हरियाणा प्रांत की उपाध्यक्ष, और राष्ट्रीय कवि संगम में 2016 से ट्राई सिटी चंडीगढ़ के अध्यक्ष पद पर लगातार सक्रिय हैं। वे एक फैशन डिजाइनर होने के साथ योगा व नेच्युरोपैथी चिकित्सक भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

संतोष गर्ग की प्रकाशित 19 पुस्तकों में चार काव्य संग्रह-दिल मुट्ठी में, सूख गए नैनन के आँसू, शब्दों को विश्राम कहाँ और बाल काव्य संग्रह 'कागज की नाव', एक बाल उपन्यास नानी, निक्की और कुंभ' व काव्य संकलन ' दुनिया गोल मटोल' के अलावा 'हर मन तिरंगा, पिता होते हैं पर्वत से, कोरोना काल कवियों के झरोखे, लघुकथाएं अपनी-अपनी सोच, लघुकथा संग्रह 'लघुता कुछ कहती है' सुर्खियों में हैं। वहीं 'यात्रा गुरू के गाँव की', 'मानस मोती', 'पंचामृत', 'सहस्त्रमानक', 'संवाद' और सनातन-वार्ता पुस्तकें भी लिखी हैं।

संतोष गर्ग

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से आध्यात्म पुस्तक सनातन-वार्ता के लिए श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के अलावा संतोष गर्ग को महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान, गुरु रविंद्र नाथ टैगोर सम्मान, लघुकथा स्वर्ण सम्मान, पावरफुल वूमेन आफ हरियाणा अवार्ड, वूमैन एम्पावरमैंट अवार्ड, कोरोना योद्धा सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं उन्हें दुबई में भारतीय प्रधान कौंसुलेट जनरल द्वारा भी सम्मान हासिल हुआ है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : संतोष गर्ग
जन्मतिथि : 12 नवंबर 1960
जन्म स्थान : बुढ़लाड़ा (पंजाब)
शिक्षा : बीए, योगा व नेच्युरोपैथी, फैशन डिजाइन
संप्रति : कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार, कहानीकार, मैनेजिंग डायरेक्टर(एन जी डायग्नोस्टिकस, पंचकूला)

ऐसे शुरु हुआ साहित्यिक सफर

वे बताती हैं कि हिसार में रहते हुए अमृता प्रीतम, शिव कुमार बटालवी और ओशो की पुस्तकें पढ़ा करती थी। कई बार अपने मन के भाव भी डायरी में उतार लेती। एक तरह से मेरी साहित्यिक यात्रा 1988 में आरंभ हुई, जब मेरी दो कविताएं एक समाचार पत्र में पहली बार प्रकाशित हुई। इससे आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। चूंकि पंजाब में शुद्ध पंजाबी बोली जाती है, जिसके कारण उनकी भाषा में कुछ पंजाबी के तो कुछ हिंदी के और कुछ शब्द हरियाणवी के भी आते हैं। रही बात हिंदी लिखने की, तो इसका श्रेय हिसार के साहित्यकारों को है। यह उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें सर्वोदय भवन में हिसार के राज्यकवि प्रोफेसर उदयभानु हंस, डॉ राधेश्याम शुक्ल, सतीश कौशिक, राजेंद्र प्रसाद जैन, मदन गोपाल शास्त्री, प्रदीप नील जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर मिलता रहा। इस बात का अहसान उन्हें भी नहीं हुआ कि कब हिंदी उनकी प्रिय भाषा बन गई। साहित्य जगत में उनकी सभी प्रकाशित पुस्तकें हिंदी भाषा में ही हैं और बहुत से सांझा संकलनों में भी रचनाएं प्रकाशित हैं। साल 1995 में उनकी पहली कृति के रुप में काव्य संग्रह 'दिल मुट्ठी में' प्रकाशित हुआ। फिर उन्होंने लघु कथा संग्रह और अन्य विधाओं में पुस्तकें लिखना शुरु किया। उन्होंने बताया कि उनका काव्य संग्रह सूख गए नैनन के आँसू' और डायरी के पन्ने 'मनांजलि' हरियाणा साहित्य अकादमी सौजन्य से प्रकाशित हुआ। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने गद्य व पद्य दोनों विधाओं में ही रचनाएं लिखी हैं। कविताओं के अलावा लघु कथाए, कहानी, उपन्यास और बाल साहित्य भी लिखा है। उनके लेखन का फोकस ज्यादातर प्रेम, प्यार, विरहा, अध्यात्म, सेवा, संस्कारों पर रहा है। हालांकि समाजिक सरोकार के मुद्दों पर भी कलम चलाई है, लेकिन राजनीति पर बहुत कम लिखा है।

हास्य-व्यंग्य बोध से सराबोर 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ'

पुस्तक : दाढ़ी से बड़ी मूँछ
लेखक : प्रियदर्शी खैरा
मूल्य : 400 रुपये
प्रकाशक : भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर।

पुस्तक समीक्षा | प्रमोद ताम्बट

हाल ही में प्रियदर्शी खैरा का नया व्यंग्य संकलन 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ' भारतीय साहित्य संग्रह कानपुर से प्रकाशित हुआ है। दो दो स्वरनामधन्य व्यंग्याकारों प्रेम जनमेजय एवं पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की पृथक-पृथक भूमिकाओं से सजे इस व्यंग्य संकलन ने एक तरीके से लेखन की दुनिया में एक अलग लकीर खींच कर रख दी है, यह कहने में कोई गुरेज़ नहीं किया जाना चाहिए। जहां प्रेम जनमेजय कहते हैं कि ''उनकी रचनाओं में व्यंग्य लदकर नहीं आया है, सहज आया है'', वहीं डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी कहते हैं ''सहज होकर व्यंग्य भी लिखा जाए तो वह कितना अच्छा बन जाता है।' प्रियदर्शी खैरा का यह संकलन इन दोनों ही टिप्पणियों पर खरा उतरता है। श्री खैरा की व्यंग्य रचनाओं में वव्यंग्य भी उसी सहजता से आता है जितनी सहजता से हास्य। यह एक मणिकांचन संयोग की तरह होता है जो रचना की पठनीयता को निःसंदेह द्विगुणित कर देता है। इसे साध लेना वास्तव में बहुत कठिन होता है, यदि वह घुट्टी के साथ मिली हुई न पी रखी हो। श्री खैरा का बुंदेलखंड से लम्बा नाता रहा है इसलिए वहां का नैसर्गिक हास्य-व्यंग्य बोध उनकी रचनाओं में सहज प्रवाह की तरह चला आता है जिससे वे अपने रचनाकर्म को समृद्ध बनाते चलते हैं। पूरे संकलन की हरेक रचना में खैरा जी अपनी विशिष्ट खिलंदड़ी भाषा के माध्यम से अपने हास्य-व्यंग्य बोध का छिड़काव सा करते हुए चलते हैं। जिससे पहली ही रचना से संकलन के प्रति उत्सुकता का भाव पैदा होता है जो निश्चित ही पाठक को पूरा संकलन पढ़ा ले जाने के लिए मजबूर कर देता है। श्री खैरा लम्बे समय तक शासकीय विभाग में उच्चतम पद पर रहे हैं और उन्होंने इस दौरान व्यवस्था के छोटे से लेकर उच्च स्तर कर तक की इकाइयों को बहुत ही करीब से देखा है। किसी भी लेखक के पक्ष में यह महत्वपूर्ण बात होती है कि वह अपने जीवनानुभव को किस तरह से अपने रचना कर्म में लेकर आता है, श्री खैरा का रचनाकर्म इस मामले में काफी ईमानदार और प्रामाणिक प्रतीत होता है। व्यंग्य संकलन में कुछ 37 रचनाएं हैं। सभी रचनाएं लेखक के मृदुल हास्य एवं व्यंग्य बोध से सराबोर हैं जो मज़े-मज़े में गंभीर विसंगतियों का अहसास भी कराती चलती हैं। लेखक की रचनाएं व्यंग्य के मानदंडों पर भी खरी उतरती हैं, वे बहुत सहजता से व्यंजना, वक्रोक्ति, कटाक्ष, ह्यूमर, आयरनी, कामदी आदि व्यंग्य के हथियारों का उपयोग करते नज़र आते हैं। पुस्तक का कवर पेज अत्यंत साधारण है, इसे और ज्यादा कलात्मक बनाया जाता तो बेहतर होता।

खबर संक्षेप

कनीना में रक्तदान शिविर 23 को

कनीना। शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर आगामी 23 मार्च को कनीना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठन जेएसविएस की ओर से डा. भीमराव अम्बेडकर चौक पर आयोजित होने वाले इस शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी व उपनागरिक अस्पताल में कार्यरत स्टाफ का योगदान रहेगा। संगठन के संचालक दीपक कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की संवेदना को समर्पित होगा।

प्राचार्य रमन शास्त्री को मातृशोक

कनीना। गांव रामबास निवासी हरियाणा शिक्षा विभाग के प्राचार्य के पद पर कार्यरत रमन शास्त्री की माता कमला देवी का निधन हो गया। वे 75 वर्ष की थी। उनकी ओर से गत वर्ष राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले 12वीं कक्षा के तीन विद्यार्थियों को क्रमशः 5100, 3100 व 2100 रुपये तथा दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 5100, 2100 व 1100 रुपये नकद प्रदान करने का प्रेरणादायक कार्य शुरू किया था। 19 मई 2024 को उन्होंने अपने हाथों से पहली छात्रवृत्ति प्रदान भी की थी। धार्मिक विचारों एवं शांत प्रवृति वाली महिला थी, जो अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई।

मंडी अटेली। गांव चंदपुरा में अनुसूचित जाति बस्ती के सामने फैली गंदगी दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

चंदपुरा में सड़क पर गंदगी का आलम

मंडी अटेली। राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 11 पर बसे गांव चंदपुरा में जब से सड़क व फ्लाईओवर बना है, तबसे अनुसूचित जाति बस्ती की नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। इससे रोड टूटने के साथ बस्ती के आसपास गंदगी फैली हुई। रोड पर पानी गंदा फैलने के कारण बीमारियों के फैलने के साथ वाहन चालकों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। इतना सब कुछ होने के बाद एनएचएआई मौन बनी हुई। रोड पर गंदगी से बीमारियां फैलने के साथ दुर्घटना का सदैव अंदेशा बना रहता है। अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा के जिला अध्यक्ष व ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य कर्मवीर खींची ने अनेक बार एनएचएआई अधिकारियों से आग्रह किया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए, ताकि गंदे पानी की निकासी के लिए नाले की व्यवस्था हो सके। पूर्व सरपंच बाबूलाल, राजेंद्र सिंह, सतबीर, रामसिंह, तेजप्रकाश, लक्ष्मीचंद, जयसिंह, सतीश कुमार आदि ने बताया कि रोड के साथ जब तक नाले का निर्माण नहीं होता है, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। ग्रामीणों ने बताया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए।

सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा दौड़ प्रतियोगिता हुई

रिले दौड़ स्पर्धा में देव रोड की टीम प्रथम, बुहाना दूसरे स्थान पर रहा

मुख्यअतिथि वीरेंद्र शास्त्री बोले, खेलों से होता है सर्वांगीण विकास शरीर रहता स्वस्थ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजस्थान के नजदीकी गांव सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा बाबा रूपादास दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलों से सर्वांगीण विकास होता है। शरीर सुदृढ़ बनता है। शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। शरीर रोग रहित रहता है। प्रतियोगिताओं से प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पंचायत समिति बुहाना के प्रधान हरिकिशन यादव ने कहा कि खेलों से प्रेम भावना बढ़ती है, भाईचारा बढ़ता है। इसलिए ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्रामीण स्तर पर जरूर करना चाहिए। इस अवसर पर हरिकिशन प्रधान ने खेल सामान के लिए 3,00,000 रुपये देने की घोषणा की। पूर्व सरपंच रामकुमार ने भी आगामी वर्ष के लिए खेल प्रतियोगिताओं के लिए 2,00,000 लाख रुपये देने की घोषणा की। निर्णायक की भूमिका सूबेदार रमेश कुमार रामा डिफेंस एकेडमी बड़बर, सोनू यादव पीटीआई तथा दिलावर भालोठिया ने निभाई।

नारनौल। गांव में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गांव के पूर्व सरपंच रामकुमार, पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार, प्रमोद शर्मा, मास्टर लक्ष्मी नारायण, समाजसेवी राजेश कुमार, जयपाल, जयलाल, रामकिशन तथा नवयुवक मंडल में नव युवा समाजसेवी अमित कुमार शर्मा, पहलवान संदीप कुमार, पहलवान पवन, विकास, मोहित, अंकित, मुलायम, अमित कुमार, अरविंद, संदीप, अजय कुमार व अजीत आदि मौजूद रहे तथा नवयुवक मंडल एवं समस्त ग्रामीणों के सहयोग से यह प्रतियोगिता धूमधाम से संपन्न हुई।

यह बने विजेता

इस प्रतियोगिता की 4×400 रिले दौड़ में प्रथम देव रोड की टीम रही, जिसने 11000 का ईनाम जीता। द्वितीय स्थान पर बुहाना की टीम रही, जिसने 5100 रुपये जीते। तृतीय स्थान पर सिरसला की टीम रही, जिसे 2100 रुपये नवाजे गए। 100 मीटर दौड़ में लड़कों में कपिल सिरसला प्रथम रहे तथा 5100 रुपये के विजेता रहे। 1600 मीटर दौड़ लड़कों में हेमंत रेवाड़ी प्रथम रहे, जो 5100 रुपये के विजेता रहे। 5000 मीटर (5 किलोमीटर) लड़कों की दौड़ में प्रथम स्थान मोहन सांगवान आदमपुर रहा और 5100 रुपये के विजेता रहे। 800 मीटर लड़कियों की दौड़ में प्रथम स्थान गीतिका ढहिया गुड़गांव रही और 5100 रुपये की विजेता रही। लॉन्ग जंप लड़के में अभिषेक पिलानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और 5100 रुपये के विजेता रहे। लॉन्ग जंप लड़की में प्रथम स्थान प्राची नूनियां ने प्राप्त किया और 2100 रुपये की विजेता रही।

गोवंश को खिलाई हरी सब्जियां

- आनंद रसोई को गोवंश के लिए खोला, रसोई शाखा के सदस्य नरोत्तम सोनी ने शादी की वर्षगांठ पर खिलाया चारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। गोवंश के लिए हरे चारे की सवामणी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाविप शाखा ने अपने प्रकल्प आनंद रसोई को विस्तारित करते हुए अब आनंद रसोई को गोवंश के लिए भी खोल दिया है। प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा व राकेश शर्मा ने बताया कि श्रमिक भाइयों के साथ साथ अब आनंद रसोई गोमाता के लिए भी चलेगी। गोवंश के लिए रसोई शाखा के सदस्य नरोत्तम सोनी व उनकी पत्नी रवीना सोनी के सौजन्य से उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ शाखा अध्यक्ष राजकुमार यादव एडवोकेट व सुभाष सिंगला ने किया। शाखा सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि नन्दी गोशाला रघुनाथपुरा में सोनी परिवार के सौजन्य से गायों को सात क्विंटल हरी सब्जियां खिलाई गई। शाखा अध्यक्ष राजकुमार यादव ने कहा कि गोवंश को खिलाया भोजन उत्कृष्ठ श्रेणी का पुण्य कार्य माना जाता है। आयोजक नरोत्तम सोनी ने कहा कि गायों की सेवा से पुण्य कार्य कोई नहीं है। जिला समन्वयक डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि आनंद रसोई का विस्तारित रूप वास्तव में आनंद देने वाला प्रकल्प है।

21 हजार की कुश्ती रेश्म ने जीती

- ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से मेले में करवाया गया दंगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते सरपंच नरेंद्र व कमेटी सदस्य।

ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से बाबा भैया के मेले का आयोजन हुआ। मेले में बाबा का भंडारा व भक्तगणों ने अपनी मन्नतें मांगकर पूजा अर्चना की।

जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि मेला कमेटी प्रधान, गांव के सरपंच व मेला कमेटी सदस्यों ने विजेताओं को सम्मानित किया। दिल्ली अखाड़े के बाघोत निवासी रेश्म पहलवान ने 21 हजार रुपये की कुश्ती मोहित छितरौली को हराकर जीती। वहीं 11 हजार रुपये की कुश्ती जतिन मोकलवास ने नारनौल के अंकुश को हराकर जीती। मेले में वालीबाल के मैच में प्रथम राता रहने वाली टीम को 21 हजार व द्वितीय सचिन कप्तान के नेतृत्व वाली बहल की टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। कबड्डी में जयपुर की टीम प्रथम तथा अलवर टीम दूसरे स्थान पर रही।

प्रतिभाओं को सम्मानित किया

- सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन ने दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के तत्वावधान में अंबेडकर भवन मालवीय नगर में प्रतिभा एवं मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता फाउंडेशन के प्रधान सुभाष चंद्र एडवोकेट ने की। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में चंचल सिंगला एचसीएस, प्रियंका आरएएस, सुनील कुमार आरएएस, हेमंत आरजेएस को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नैंसी, प्रिंस, वंश व कार्तिक को भी एनटीएस एग्जाम पास करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी अधिकारीगणों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नवयुवकों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि असफल होने के बाद हिम्मत ने हारे अपितु सफलता प्राप्त होने तक बारंबार प्रयास करते रहे। एचसीएस चंचल सिंगला व सीडीपीओ प्रियंका ने बताया कि क्रांति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले ने देश की महिलाओं को शिक्षित करने का अभियान शुरू किया गया था।

नारनौल। कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

1268 विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

- सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में जेईई और एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए हुआ परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 1268 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निजामपुर रोड स्थित सीएलसी की ओर से कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा 10वीं फाउंडेशन तथा कक्षा 11वीं से 12वीं के साथ नीट, जेईई व एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में दूर-दूर से अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए पहुंचे। इस परीक्षा में उपस्थित बच्चों के साथ उनके परिजनों में भी उत्साह नजर आ रहा था। सीएलसी सीकर के संस्थापक इंजीनियर श्रवण चौधरी ने 1996 में सीएलसी की स्थापना की, जो कि आज शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने में मदद करना है। सीएलसी ने नीट, जेईई एनडीए व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बच्चों को लाभ पहुंचेगा

परीक्षा का आयोजन सीएलसी नारनौल के डायरेक्टर नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि हम यहां पर कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा दसवीं फाउंडेशन तथा कक्षा ग्यारवीं से बारहवीं के साथ नीट, जेईई एवं एनडीए की तैयारी करवाते है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन व होशियार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है, कोई भी परीक्षा व्यक्ति व श्रेष्ठता की पहचान और किसी स्थिति का सामना करने की तैयारी का निरीक्षण सदैव परीक्षा का उद्देश्य रहा है। सीएलसी नारनौल के सेंटर हेड सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा देने आए छात्रों में बहुत उत्साह देखा गया।

समारोह में बेटियों ने दिखाई प्रतिभा

- बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन
- सभी ने गांव की बेटियों को उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रतिभा सम्मान समारोह में गांव की दो बेटियों का हिना यादव पुत्री राकेश कुमार सीजीएल इनकम टैक्स इंस्पेक्टर व अंजु कुमारी पुत्री पूर्णमल प्रजापत वित मंत्रालय अकाउंट ऑफिसर के चयन होने पर आयोजित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता महाराज जसनाथ ने की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक अहीरवाल, राजवंशी शिक्षा निकेतन, इंडियन स्कूल, कुलदीप कॉलेज शिमला के साथ साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल बदोपुर इकाई के अध्यक्ष बृजलाल यादव ने कहा प्रतिभा जन्मजात होती है, उनको अवसर प्रदान कर उभारा जाता है, वो समाज का दायित्व है। समाज ने आपको जो दिया है उसको वापस समाज को देने का प्रयास करना चाहिए। उभरी हुई प्रतिभा आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श होती है। सभी ने गांव की बेटियों को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। सांस्कृतिक अहीरवाल के जिला मीडिया प्रमुख शीशपाल यादव ने कहा कि गांव की दोनों बेटियों की इस उपलब्धि पर गांव गर्व करता है और उपस्थित छात्र छात्राओं से आग्रह करता है कि दोनों बेटियों को आदर्श मानकर आगे बढ़ने का संकल्प करें।

नारनौल। बदोपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बाबूलाल नंबरदार, ब्रजलाल मास्टर, महेश सरपंच बदोपुर, डा. मूलचंद सरपंच दोचाना, प्रदीप सरपंच जादूपुर, सांस्कृतिक जिला मीडिया प्रभारी शीशपाल बदोपुर, नरेश सरपंच, फूलचंद डेलीगेट, ईश्वर राजपूत, संदीप यादव, सतीश यादव, सुनील यादव, डा. संजय यादव, सुभाष यादव, चंद्रभान, दशरथ, अनिल चौहान आदि मौजूद थे।

स्कूल में पुरस्कार वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अभिभावकों व स्कूल के अध्यापकों के बीच संवाद बढ़ाने के उद्देश्य से एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में रविवार को कक्षा नर्सरी व आठवीं तक की अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। जिसमें अपने बच्चों के प्रदर्शन व पढ़ाई को जानने के लिए अभिभावकों में काफी उत्साह दिखाई दिया। अभिभावकों के स्वागत में प्रवेश द्वार व कक्षाओं को काफी अच्छे तरीके से सजाया गया।

अभिभावकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर बच्चों के बारे में शिक्षकों से विस्तार से बात की व बच्चो की वार्षिक परीक्षा के प्राईज व रिपोर्ट कार्ड प्राप्त किए। रिपोर्ट कार्ड में अपने बच्चों का अच्छा परिणाम देखने के बाद अभिभावकों ने अध्यापको को बधाई दी। स्कूल प्राचार्या अनिता यादव ने संगोष्ठी के आयोजन पर बच्चों के अच्छे परिणाम के लिए सभी अभिभावकों व बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी एक मंच है, जिसके माध्यम से अध्यापक का संबंध छात्र व उसके माता-पिता के साथ मधुर होगा।

नारनौल। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धा से निकाली 113वीं प्रभात फेरी

- राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 113वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक आयोजन प्रातः सात बजे शिव मंदिर छोटा तालाब से प्रारंभ हुआ। जहां मुख्य यजमान प्रदीप संघी, प्रमोद संघी व उनके परिवार ने ठाकुर जी की आरती कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। इस प्रभात फेरी में सैकड़ों बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा शामिल हुए। सभी ने ढोल नगाड़ों की मधुर ध्वनि पर भजन कीर्तन करते हुए राधे राधे के जयकारों से नगर को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी शिव मंदिर, छोटा तालाब से प्रारंभ होकर इमली के पेड़, नौ चौकी हवेली व मोहल्ला बावड़ीपुर होते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में भक्तगणों ने भगवान का स्मरण करते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस आयोजन ने पूरे नगर को वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन व बरसाना की गलियों जैसा भक्तिमय रूप दे दिया। ढोल मंजीरों की ताल पर श्रद्धालु झूम झूमकर ठाकुर जी को रिझाने में मग्न रहे। चारों ओर राधे राधे के मंत्रों की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक प्रेम, शांति, समर्पण व आनंद से सराबोर हो उठा। प्रभात फेरी के स्वागत में श्रद्धालु जगह जगह खड़े होकर फूल बरसा रहे थे।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्रीशनि शक्ति धाम परिसर में चलाया अभियान

युवाओं ने जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया

- अभियान के तहत पार्कों और परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई, आसपास की खरपतवार हटाकर सफाई की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जल संरक्षण व हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के तहत रविवार को स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्री शनि शक्ति धाम परिसर में विशेष स्वच्छता व पौधों की देखभाल अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व डा. जय कृष्ण आभीर के मार्गदर्शन में किया गया। जल बचाओ पेड़ लगाओ पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल अभियान के अंतर्गत पार्कों व परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई। उनके आसपास की खरपतवार हटाई गई और सूख रहे पौधों में जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इस दौरान पौधों की सुरक्षा के लिए लगी तारबाड़ को भी दुरुस्त किया गया। यह कार्य ग्रामीणों व स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ। इस स्वच्छता और संरक्षण अभियान में यशवीर, बॉबी देहरान, सचिन, अमरजीत, सुखदेव, गौरव रोहिल्ला, योगेश व अजय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम के सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत से पौधों की देखभाल कर परिसर को स्वच्छ और हरित बनाने में सहयोग दिया। संदेश दिया गया कि जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

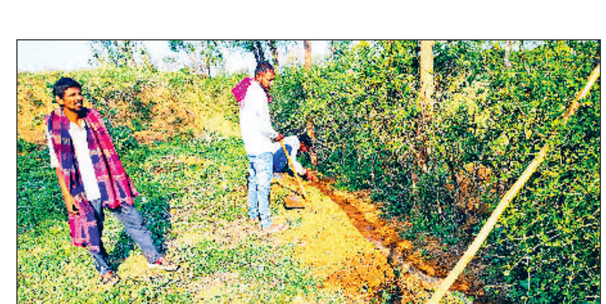

नारनौल। अभियान के तहत पौधों में पानी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की मुहिम जारी रहेगी

टीम मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल निकट भविष्य में और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ही अभियानों को गति देने की योजना बना रही है। समुदाय को जागरूक कर जल संरक्षण व पौधारोपण को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। यशवीर यादव व अरविंद भारद्वाज ने बताया कि आज का अभियान न केवल पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम था, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को यह प्रेरणा देता है कि हम सभी मिलकर अपने गांव, शहर व पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं। जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की यह मुहिम जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने गत वर्ष जैनाबाद में हुई मारपीट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल के बयान पर गत वर्ष 23 मई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने अपने बयान में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने गांव निवासी हर्ष को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे में कार का चालक घायल

रेवाड़ी। सहारनवास के पास कार की टक्कर लगने से दूसरी कार असंतुलित होकर गड्ढे में गिर गई। इससे कार का चालक घायल हो गया। भठेड़ा निवासी राहुल अपनी गाड़ी से गांव की ओर जा रहा था। सहारनवास के पास एक कार चालक दूसरी कार को ओवरटेक करते हुए उसकी कार से टकरा गया। इससे राहुल की कार सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। राहुल इस हादसे में घायल हो गया। पीछे चल रहे कार चालक ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

युवक के साथ मारपीट करने का केस दर्ज

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने खेड़ा आलमपुर के युवक के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में सुरेश ने बताया कि वह पुरुषोत्तम के घर पैसे देने के लिए जा रहा था। रास्ते में मनोज व उसके साथियों ने उसे गाड़ी में बैठाकर मारपीट करना शुरू कर दिया। मारपीट के बाद वह बेहोश हो गया। उसके चचेरे भाई राजाराम ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

घर से बाइक लेकर निकला युवक लापता

रेवाड़ी। सरस्वती विहार कॉलोनी से बाइक लेकर निकला एक युवक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में सुनीता ने बताया कि उसका पति 15 मार्च को बैंक से पैसे निकलवाकर रायपुर सतनोली देने की बात कहकर बाइक से निकला था। इसके बाद उसका पति घर वापस नहीं आया। उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है। रिश्तेदारियों और दूसरे स्थानों पर पूछताछ करने के बाद भी उसके पति का कोई पता नहीं चल सका।

अस्पताल की पार्किंग से बाइक चोरी

धारूहेड़ा। एक प्राइवेट अस्पताल की पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी हो गई। राजस्थान के भिवाड़ी के सेक्टर-3 निवासी पूजा ने बताया कि वह अपने पति का इलाज कराने के लिए अपैक्स अस्पताल आई थी। उसके पति का ऑपरेशन हुआ है। उसकी बाइक अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की हुई थी। जब वह अस्पताल से बाहर आई तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी बाइक का कोई पता नहीं चला। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

बाइक से सब्जी लेने गया व्यक्ति लापता

धारूहेड़ा। बाइक से बाजार में सब्जी लेने के लिए निकला एक व्यक्ति लापता हो गया। पुलिस शिकायत में मूल रूप से झारखंड निवासी मनीष कुमार ने बताया कि उसका पिता 46 वर्षीय फाल्गुनी कुमार आकेड़ा में उसके चाचा के होटल पर कई साल से कार्य कर रहा है। वह बाजार से सब्जी लाने के लिए 5 मार्च को बाइक लेकर निकला था। उसके बाद वापस नहीं आया। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। काफी तलाश करने के बाद भी उसके पिता का कोई पता नहीं चला। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

---

12 फरवरी को बंद हुआ था जेएलएन नहर का पानी

एक महीने से नहर में पानी नहीं आने से वाटर टैंकों की दिखने लगी जमीन, फिर सूख रहे हलक

- जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से अल्टरनेट-डे की जा रही सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर के वाटर टैंकों की स्टोरेज क्षमता कम होने के कारण सर्दी हो या गर्मी हमेशा पानी की किल्लत रहती है। शहर की बढ़ती आबादी में गर्मी शुरू होते ही पानी की ज्यादा समस्या पैदा हो जाती है। नहरी पानी समय पर नहीं आने की स्थिति में शहर के लोगों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ता है। लगभग एक दशक से चल रही पेयजल की समस्या का समाधान अभी तक नहीं होने का खामियाजा शहर के लोगों को हर साल गर्मी के सीजन में भुगतना पड़ता है। एक दशक से जन स्वास्थ्य विभाग स्टोरेज की क्षमता कम होने के कारण पानी की आपूर्ति अल्टरनेट-डे करता आ रहा है। समस्या उस समय और भी विकराल हो जाती है, जब नहरी पानी का आपूर्ति में विलंब हो जाता है। लोगों को प्यास बुझाने के लिए पानी के कैंपर व टैंक मंगवाने पड़ते है। 12 फरवरी को नहर में पानी आना बंद होने के बाद से जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से एक दिन छोड़कर पानी की आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जेएलएन नहर में खूबडू हेड से दो से चार दिनों में पानी छोड़ा जाएगा। उनका कहना है कि शेड्यूल के अनुसार 8 मार्च तक पानी आना था, लेकिन अभी तक पानी नहीं छोड़ा गया है। पानी की समस्या को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से नए वाटर वर्क्स के लिए लगातार जमीन की तलाश की जा रही है, लेकिन अभी कामयाबी नहीं मिल पाई है।

रेवाड़ी। कालाका में खाली हुआ वाटर स्टोरेज टैंक। फोटो : हरिभूमि

पानी स्टोरेज करने में टैंकों की कमी

विभाग के पानी स्टोर करने के लिए टैंकों की भारी कमी है। कालाका वाटर वर्क्स में पांच और लिसाना में तीन वाटर टैंक हैं। दोनों वाटर वर्क्स प्लांटों की क्षमता को देखते हुए शहर में पानी की डिमांड पूरी करना आसान नहीं है। इसके लिए कम से कम चार वाटर टैंकों के साथ नए वाटर वर्क्स की आवश्यकता है। वाटर वर्क्स का निर्माण करने के लिए विभाग को कम से कम पांच एकड़ जमीन की जरूरत है। कालाका वाटा वर्क्स के पांच टैंकों की क्षमता 950 गैलन पानी स्टोरज की है, जबकि लिसाना के दो वाटा टैंकों की क्षकता 340 गैलन व एक नए वाटर टैंक की पानी स्टोरेज क्षमता 32 करोड़ 640 लाख लीटर है। नहरी पानी का शेड्यूल पहले 16-16 दिन का था। यानी 16 दिन नहर में पानी आता था और 16 दिन नहर बंद रहती थी। अब 3 साल से शेड्यूल 16-24 का हो गया है। अब 16 दिन नहर में पानी आता है और 24 दिन बंद रहता है।

दो-चार दिन में नहर आने की संभावना

फिलहाल जनस्वास्थ्य विभाग ट्यूबवेलों से पानी एकत्रित कर काम चला रहा है। विभाग के कनिष्ठ अभियंता हेमंत ने कहा कि शहर के लोगों को पानी की कोई दिक्कत नहीं रहे, इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। दूसरे ट्यूबवेलों से पानी एकत्रित कर काम चलाया जा रहा है। नहर में अभी दो से तीन दिन बाद ही पानी पहुंचने की संभावना है। उन्होंने लोगों से जरूरत के अनुसार पानी इस्तेमाल करने की अपील की है। यदि सोमवार की रात नहर में पानी छोड़ा जाता है तो 19 मार्च की शाम या सुबह रेवाड़ी जेएलएन में पहुंच जाएगा। इसके बाद टैंकों को भरने का काम शुरू किया जाएगा तथा 21 मार्च से पानी की सप्लाई सुचारू की जाएगी।

ट्यूबवेलों से आपूर्ति

खूबडू हेड से जेएलएन नहर में दो से तीन दिनों में पानी छोड़े जाने की उम्मीद है। नहर आने पर शहरवासियों को नियमित पानी की आपूर्ति की जाएगी। अभी शहर में ट्यूबवेलों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। **-हेमंत कुमार, कनिष्ठ अभियंता, जनस्वास्थ्य विभाग।**

मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पाटोदा रहे

सनातन धर्म की मूल भावना सबका भला-सबका कल्याण: अरुण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस के उपलक्ष्य में जीवन में खुशहाली लाने वाला कार्यक्रम जाने सच्ची खुशियों का पासवर्ड का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पाटोदा, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार जलवा, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव चांदावास वाले व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि वर्तमान में भागदौड़ भरे जीवन में बढ़ते हुए तनाव को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 20 मार्च 2013 से इस दिन को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। हम सभी को मालूम है कि जो समाज व देश खुशहाल रहता है, वहां विकास के ज्यादा अवसर बनते हैं। खुशहाल देशों की सूची में भारत को 136वें नंबर पर रखा गया है। भारत को खुशहाली में पहले स्थान पर लाने के लिए सभी को मिलकर नए अवसर तलाशने होंगे। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल व समाजसेवी प्रोफेसर सीएल सोनी ने कहा कि हमारे सनातन धर्म की मूल भावना सबका भला-सबका कल्याण है। भारतवर्ष से महात्मा बुद्ध, स्वामी विवेकानंद व शील महाप्रभु जैसे महात्मा पूरी दुनिया को प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद सुमित्रा जलवा व महिला संयोजक शशि जुनेजा ने कहा कि जीवन में खुशियां लाने का सिद्धांत दूसरों का सहयोग व जरूरतमंदों की सेवा करना है। कार्यक्रम में प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, कपिल कपूर, प्रीति, सोनिया कपूर, पुरुषोत्तम नंदवानी, लक्ष्मी नारायण व राहुल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। अतिथियों का सम्मान करते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आज मनाई जाएगी भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी

रेवाड़ी। भगवान गणेश को समर्पित भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी का पर्व सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी को हिंदू धर्म में एक अत्यंत शुभ दिन माना जाता है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और भक्तों को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले देवता मानते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित अजय शास्त्री ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि हर माह में 2 चतुर्थी तिथियां आती हैं, शुक्ल पक्ष की विनायक चतुर्थी और कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी। संकष्टी चतुर्थी का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से समस्त कष्टों और परेशानियों से मुक्ति मिलती है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

अनुसूचित जाति समाज ने की मेघवाल शब्द को कानूनी दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

बावल खंड के गांव बेरवाल स्थित पंचायत भवन में रविवार को मेघवाल उत्थान समिति की ओर से बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता बाबूलाल बधराना ने की। मीटिंग में अनुसूचित जाति से संबंधित मेघवाल समाज के बुद्धिजीवी और प्रतिष्ठित लोग शामिल थे। मेघवाल उत्थान समिति के वक्ताओं ने भविष्य में अनुसूचित जाति के लोगों को मेघवाल के नाम से संबोधित करने पर सहमति जताई। सभी ने मेघवाल शब्द को कानूनी रूप से जगह दिए जाने को लेकर जिला उपायुक्त से मिलकर निर्णय लिया। मेघवाल उत्थान समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर व शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने चौपाल और मोहल्ले मेघवाल के नाम से करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पड़ोसी राज्य राजस्थान में मेघवाल शब्द को कानूनी रूप से दर्जा मिला हुआ है, उसी तर्ज हरियाणा में भी मेघवाल शब्द को कानूनी रूप दिया जाए। इस अवसर पर संरक्षक वेदप्रकाश नांगल तेजू, प्रधान सूरजभान, सुंदरलाल भटेडिया, विक्रम मास्टर बेरवाल, तेजपाल टेलर, रूडाराम, लालचंद फोरमैन, सांवत सरपंच,हीरासिंह वैध,भानसिंह खोरी, रूपचंद पूर्व सरपंच चिमनावास, परमेश्वर मैनेजर ,चांदराम सरपंच व नरेश सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेवाड़ी। गांव बेरवाल में आयोजित बैठक में मौजूद समिति के सदस्य।

आज से शुरू हो सकती है सरकारी खरीद नकली सरसों पर रहेगी अफसरों की नजर

- पिछले साल सामने आए थे सरसों में मिलावट के मामले, इस बार अधिकारी बरतेंगे पूरी सतर्कता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अनाजमंडी में सरसों की आवक शुरू हो चुकी है, लेकिन नमी ज्यादा होने के कारण सरकारी खरीद शुरू नहीं हो सकी है। 17 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। खरीद शुरू होने के साथ ही सरसों में मिलावट की आशंका भी रहेगी, जिसे लेकर अधिकारी भी पूरी तरह अलर्ट हो चुके हैं।

गत वर्ष सरसों में मिलावट के मामले सामने आए थे। कुछ आढ़ती किसानों से सरसों खरीदने के बाद उसमें सरसों जैसी ही मिट्टीनुमा वस्तु मिलाकर बेचने में कामयाब रहे थे।

यह मिट्टी सरसों की तरह ही नजर आती है, जिसे सरसों में मिलाने के बाद पहचान करना मुश्किल होता है। जब मिलावटी सरसों को पानी में डाला जाता है, तो मिट्टी पानी में घुल जाती है। सूत्रों के अनुसार मंडी कुछ आढ़तियों ने 10 से 15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मिलने वाले मिट्टीनुमा दानों को सरसों में खूब मिलाया था। शुरूआती दौर में पता नहीं चलने के कारण ऐसे आढ़तियों ने जमकर चांदी काटी थी। इससे खरीद एजेंसी को मोटा चूना लगा था। मिलावटी सरसों पकड़ने के लिए इस बार मार्केट कमेटी के अधिकारियों से लेकर खरीद एजेंसी तक के अधिकारी पूरी तरह अलर्ट हैं। सरसों को सरकारी समर्थन मूल्य 5950 रुपये होने के कारण मिलावट के खेल में आढ़ती से लेकर कुछ किसान तक सरकार को चूना लगा सकते हैं।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में सरसों की ढेरी बनाता मजदूर। फोटो :हरिभूमि

एक्शन लिया जाएगा

गत वर्ष आए मिलावट के मामले सामने गत वर्ष सरसों में मिलावट के कुछ मामले सामने आए थे। मिलावट करने वाले आढ़तियों ने किसानों से सरसों से लेकर उसमें सरसों जैसी ही नजर आने वाली मिट्टी के कट्टों को सरसों में मिक्स किया था। इस बार ऐसी सरसों पर विशेष तौर पर नजर आएगी। ऐसा करने वाले लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा।
-सतप्रकाश डीएमईओ, मार्केट कमेटी।

नाहड़ के वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जांच कैंप आज

- प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक शिविर आयोजित किया जाएगा

नाहड़। गांव नाहड़ में एक प्राइवेट अस्पताल की ओर से 17 मार्च सोमवार को स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया जाएगा। गांव के सरपंच महेंद्र सिंह ने बताया कि कैंप वृद्धाश्रम नाहड़ में प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें लोगों की सामान्य जांच के साथ-साथ बीपी, ब्लड, शुगर, पल्स तथा ईसीजी की जांच की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्वास्थ्य कैंप का लाभ उठाने की अपील की है। अस्पताल के ऑपरेशन मैनेजर अरुण कुमार ने बताया कि कैंप के दौरान जरूरत के अनुसार लोगों के फ्री कार्ड बनाए जाएंगे, जिन्हें रेवाड़ी स्थित अस्पताल में फ्री ओपीडी प्रदान की जाएगी।

राजनीति | वंदना पोपली को दोबारा जिम्मेदारी मिलने की संभावना, बदलाव की सूरत में राव समर्थक अजय पटौदा का नाम आगे

जिलाध्यक्ष चुनाव के लिए देर रात पत्र जारी, सुबह कार्यालय में बढ़ी हलचल, नए अध्यक्ष का चुनाव आज

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

भाजपा ने सभी जिलाध्यक्षों का चुनाव कराने के लिए शनिवार देर रात पत्र जारी कर दिया। रविवार सुबह ही भाजपा कार्यालय में हलचल बढ़नी शुरू हो गई। दोपहर 2 बजे तक का समय होने के कारण 21 कार्यकर्ताओं ने चुनाव में हिस्सा लेने के लिए नामांकन किया, जिनमें से 6 नामांकन रद हो गए। जिलाध्यक्ष पद के लिए 15 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। यह तय नजर आ रहा है कि चुनाव सर्वसम्मति से ही होगा। हाईकमान की ओर से तय किए गए नाम की घोषणा होना शेष है। वंदना पोपली को एक बार फिर से कमान सौंपने के चांस ज्यादा हैं। बदलाव की सूरत में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह समर्थक अजय पटौदा को भी जिलाध्यक्ष बनाया जा सकता है।

जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए पार्टी की ओर से ज्यादा समय नहीं दिया गया। रविवार दोपहर 2 बजे तक नामांकन का समय निर्धारित किया गया था। जिला प्रभारी नसीम अहमद, जिलाध्यक्ष वंदना पोपली, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील मुसेपुर, चुनाव सह प्रभारी हिमांशु पालीवाल बलजीत यादव व अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यालय पहुंच गए थे। देखते ही देखते कार्यालय में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी पहुंच गए। मतदान अधिकारियों से प्रपत्र लेकर नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई। दोपहर 2 बजे तक 21 नामांकन पत्र दाखिल हुए। जिला प्रभारी नसीम अहमद की मौजूदगी में इन नामांकन पत्रों की जांच का कार्य शुरू हुआ, जिसके बाद 6 नामांकन खामियां होने के कारण रद्द कर दिए गए।

चुनाव की औपचारिकता पूरी करने के लिए अब 15 कंडीडेट मैदान में बचे हुए हैं। एक ओर जहां पार्टी कार्यालय में मतदान की प्रक्रिया शुरू की गई, तो दूसरी ओर पार्टी के शीर्ष नेता दिल्ली में बैठकर जिलाध्यक्षों के नाम पर अंतिम मोहर लगाने के लिए मंथन करते रहे। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चुनाव प्रक्रिया महज एक औपचारिकता है। जिलाध्यक्षों की सूची हाईकमान की ओर से तैयार की जा चुकी है। प्रभारियों की मौजूदगी में सोमवार को उनके नामों पर सहमति की मुहर लगवाई जाएगी। ज्यादा जरूरी होने पर ही चुनाव कराए जाएंगे।

रेवाड़ी। चुनाव प्रक्रिया के दौरान मौजूद जिला भाजपा प्रभारी नसीम अहमद।

प्रभारी जेपी दलाल को सौंपे नामांकन पत्र

चुनाव सह प्रभारी हिमांशु पालीवाल ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच के बाद सही पाए गए 15 प्रपत्र चुनाव प्रभारी जेपी दलाल को सौंपे गए हैं। इनकी उच्च स्तर पर छंटनी की जानी है। इसके बाद ही सोमवार सुबह चुनाव लड़ने के लिए योग्य उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया में राव इंद्रजीत सिंह विरोधी खेमे के कोई प्रभावी नेता नहीं पहुंचे, जबकि उनके साथ जुड़े भाजपा के आधा दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इनमें दो महिला कार्यकर्ताओं के नाम भी शामिल हैं।

राव से बाहर फैसला जाने की उम्मीद नहीं

अक्सर संगठन विस्तार को लेकर भाजपा हाईकमान ने अभी तक राव खेमे को ज्यादा भाव नहीं दिया था, परंतु विधानसभा व निकाय चुनावों के बाद बदले राजनीतिक हालातों के चलते इस बार राव की सहमति सर्वोपरि हो सकती है। सूत्रों के अनुसार वंदना पोपली को एक बार फिर से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अगर उन्हें दूसरी जिम्मेदारी देने की तैयारी है, तो राव के खास समर्थक अजय पटौदा को जिलाध्यक्ष के पद पर बैठाया जा सकता है। सुनील मुसेपुर की चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपस्थिति ने यह संकेत दे दिए हैं कि जिला संगठन में अब विरोधी खेमे की चलने के दिन लद चुके हैं।

न्यूज डायरी

ग्रामीणों ने पर्वतारोही नरेंद्र को किया सम्मानित

नाहड़। खंड नाहड़ के गांव नेहरूगढ में आयोजित कार्यक्रम में पर्वतारोही नरेंद्र यादव का सम्मान किया गया। बाबा काला मुंह वाला मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में नाहड़ ब्लॉक समिति चेयरमैन दुष्यंत कुमार यादव ने शिरकत की, जबकि अध्यक्षता सरपंच आशीष प्रजापति ने की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने पर्वतारोही नरेन्द्र के उज्जवल भविष्य की कामना की। पर्वतारोही नरेंद्र ने सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच महिपाल सिंह, पूर्व सरपंच राकेश कुमार, सुरेश नंबरदार, प्रताप सिंह पंच, भूप सिंह पंच, सांवत राजपूत, पूर्व पंच अशोक शर्मा व ब्लॉक समिति सदस्य प्रतिनिधि राकेश सैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

परमहंस कुटी में भंडारे व सत्संग का हुआ आयोजन

धारूहेड़ा। गांव नंदरामपुर बास स्थित परमहंस कुटी में ब्रह्मलीन स्वामी आत्मानंद सरस्वती के वार्षिक उत्सव पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत शंकर दास महाराज ने कहा कि परमात्मा सर्वस्त्र है तथा कण-कण में समाए हुए हैं। परंतु हमको ऐसे ही परमात्मा की प्राप्ति नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जब तक हम अहंकार नहीं छोड़ेंगे, तब तक हमें परमात्मा की प्राप्ति नहीं हो सकती। इसलिए जीवन में श्रद्धा व समर्पण होना चाहिए। उजोली लालपुर आश्रम से पधारे स्वामी श्रद्धानंद महाराज ने कहा कि आज के समय में व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण, विचार क्रांति व नैतिक क्रांति मनुष्य के लिए आवश्यक है, तभी धरती पर स्वर्ग का अवतरण हो सकता है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले से पप्पू चौधरी, डा. ज्ञानचंद नंबरदार, रूप सिंह नंबरदार, उग्रसेन, रणधीर नंबरदार,चेतराम सैनी, रामकिशन सेठ व ईश्वर सहित गांव ततारपुर खालसा, भटसाना, अलावलपुर, सिलारपुर व नंदरामपुर बांस गांव से अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

यादव कल्याण सभा के फ्री कैंप में 150 ने उठाया लाभ

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 मरीजों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं दी गई। सभी को फ्री दवाईयां भी प्रदान की गई। शिविर में डा. एसपी यादव ने मेडिसिन, डा. आत्मप्रकाश यादव ने हड्डीरोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. मनीष यादव ने ईएनटी व डा. सुमन यादव ने स्त्रीरोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। फिजियोथरेपिस्ट पूर्ण सिंह यादव ने भी मरीजों को फिजियोथेरेपी की जानकारी प्रदान की। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, प्रोफेसर आर एस यादव, जसवंत सिंह यादव, अमर सिंह, रामसिंह, गोकल राम, सभा प्रवक्ता प्रोफेसर सतीश यादव व बिक्रम ने विशेष सहयोग दिया।

पिस्तौल व कारतूस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने टीपी स्कीम बाईपास रोड पर एक युवक को देशी पिस्तौल व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि संघी का बास निवासी पंकज के पास अवैध हथियार है। वह इस समय टीपी स्कीम के पास मौजूद है। वह बाईपास रोड पर खड़ा किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर रेड की। पुलिस को देखते हुए एक युवक वहां से भागने लगा। पीछा करते हुए पुलिस ने उसे काबू कर लिया। उसने नाम पंकज बताया। तलाशी लेने पर उसकी लोयर की जेब से देशी पिस्तोज बरामद हुआ। पिस्तोल के चेंबर में एक जिंदा कारतूस मिला। उसे मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद सिटी थाने में केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस आरोपी से हथियार लाने के संबंध में पूछताछ कर रही थी।

धार्मिक संगठन कल मनाएंगे रंग पंचमी का त्योहार

रेवाड़ी। होली के बाद यानी चैत्र महीने के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि यानि आगामी 19 मार्च को सामाजिक व धार्मिक संगठनों की ओर से रंग पंचमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। पंचमी तिथि पर पड़ने के कारण ही इसे रंग पंचमी का पर्व कहते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हर वर्ष इस तिथि पर अबीर-गुलाल, हल्दी और चंदन के साथ ही फूलों से बने रंग आसमान में उड़ाने से राजसिक और तामसिक शक्तियों का प्रभाव कम होकर मन में सात्विक भाव आता है। इससे सभी देवी-देवता बहुत ही प्रसन्न होते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित हेतराम शर्मा का कहना है कि मान्यता है कि यह दिन देवताओं को समर्पित होता है। कहा जाता है कि रंग पंचमी के दिन रंगों के प्रयोग से सृष्टि में सकारात्मक ऊर्जा का संवहन होता है। इसी सकारात्मक ऊर्जा में लोगों को देवताओं के स्पर्श की अनुभूति होती है। वहीं सामाजिक दृष्टि से इस त्योहार का महत्व है। यह त्योहार प्रेम-सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है।